EDII

Rajasthan Patrika

October 5, 2019
Page No. 1 & 11

गुजरात सरकार की पहल : ईडीआईआई के साथ किया करार

एक वर्ष में दो हजार दलित और आदिवासी युवा बनेंगे उद्यमी

पत्रिका

एक्सक्लूसिव

नेशनल एससी एसटी हब की तर्ज पर दिया जाएगा प्रशिक्षण, एक वर्ष तक मार्गदर्शन

नगेन्द्र सिंह
patrika.com

अहमदाबाद. गुजरात में इस वर्ष दो हजार दलित एवं आदिवासी युवाओं को उद्यमी बनाने के लिए राज्य सरकार ने कवायद शुरू की है। केंद्र सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की नेशनल एससी एसटी हब योजना की तर्ज पर गुजरात सरकार ने भी नई स्कीम शुरू की है। इसके तहत अप्रेल 2019 से मार्च 2020 तक दो हजार अनुसूचित जाति -एससी(दलित) एवं अनुसूचित जनजाति -एसटी (आदिवासी) युवाओं को उद्यमी बनने का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे न सिर्फ खुद अपने पैरों पर खड़े हो सकें बल्कि और लोगों के लिए भी रोजगार मुहैया करा सकें।

प्रोफेसर प्रकाश सोलंकी

गुजरात सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। ईडीआई नेशनल एससी एसटी हब योजना के तहत भी देशभर के दलित एवं आदिवासी युवाओं को उद्यमी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। ईडीआई के प्रोफेसर प्रकाश सोलंकी ने बताया कि गुजरात सरकार ने मार्च 2019 में ईडीआई को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

पढ़ें एक वर्ष @ पेज 11

साक्षात्कार के आधार पर होगा चयन

सोलंकी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए गुजरात के सभी जिलों से दलित एवं आदिवासी युवाओं को आवेदन करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आवेदन पत्र भरवाया जाएगा। इसमें कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसके जरिए आवेदक की रूचि के बारे में पता लाएगा जाएगा। बाद में उनका साक्षात्कार होगा और इसके आधार पर चयन किया जाएगा। चयनित युवाओं, युवतियों को एक महीने की नि:शुल्क आवासीय ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें विभिन्न क्षेत्र में उद्यम आरंभ करने, मार्गदर्शन, आवश्यक स्किल उन्हें सिखाई जाएगी। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के जरिए आर्थिक मदद व मार्गदर्शन दिलाकर उनकी कंपनी शुरू कराने में मदद की जाएगी। इसका रजिस्ट्रेशन, कंपनी का लेखा जोखा बनाने, कच्चा मॉल लाने और इसे उत्पाद में बदलने और मार्केटिंग जैसी हर तरह की मदद की जाएगी।

पेज 1 का शेष...

एक वर्ष...

इसके तहत 2000 एससीं एवं एसटी युवाओं को उद्यमिता के गुर सिखाए जाएंगे ताकि वे खुद का उद्यम व्यापार शुरू कर सकें और अपने पैरों पर खड़े हो सके। एक उद्यमी अमूमन 3 युवाओं को रोजगार देता है, इस लिहाज से रोजगार के सृजन की दिशा में भी कारगर कदम उठाए जा रहे हैं।सोलंकी ने बताया कि ईडीआई की ओर से गुजरात के दलित एवं आदिवासी युवाओं से उद्यमिता का प्रशिक्षण पाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इसके बाद उन्हें एक महीने की नि:शुल्क आवासीय ट्रेनिंग दी जाएगी जहां उन्हें उनकी रुचि के अनुरूप उद्यम शुरू करने को लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं कंपनी का पंजीकरण करने से लेकर उसे कार्यरत करने और उसके बाद एक वर्ष तक कंपनी के कार्यरत रहने और मुनाफा करने का मार्गदर्शन भी ईडीआई की ओर से चुना उद्यमियों को दिया जाएगा।